

~~Page~~ - 205

⑤ Globalisation → Social, political, economic - concept.
:- विश्वाधन :-

①

= 'Globalisation' चाहा विश्वाधनेर ज्ञेन निर्दिष्ट अंडुण नारे, बहुतः
ज्ञेन घटाउ निर्दिष्ट वीर्यनाथ विश्वाधन झीमित हये थाए नि, अर्थात् दोनदिक्कै
निर्दिष्ट विसुट विश्वाधन क्षिर हये थाए नि, ए अव आनोचना अस्त्र झम्पे
रहेहु - विश्वाधन इल गणीर चांग पर्वोर्दि घेच नेमान आमF- आमाछिद्य प्रक्षिप्त
रिमोब विश्वाधनेर चांग गाडे तिं घेच चांग विश्वाधनील रहे उमार झुले किंव काढ्ये
विविध दूर अभावी घटावर विश्वाधन घेच दूर विश्व मुद्द, ८० लेब दूरादेह इहामन्दी,
प्राप्तिक्षिप्त उपनिवेशिकायां अवगार एवं चांग लड्हेर-र विश्व मुद्दी घम्फाण्डे
विश्वाधनेर अंडाव दूरादेह, दूर अंडादूर घेच क्षेत्रीय पक्षितरा झुरन विश्वाधनेर
- आठीन श्रीज्ञेव झीमित राष्ट्र भ्रवश्वाधन झारी एवं आठीन टीर उ शेव वार्षी वार्षी
दूरानेर झर्ये विश्वाधनेर वीर्या उ चिन्हावानु दीर्घदाल अव्याहत हिल.

एउं अंडान्तु अविश्वाधनेर घेच वित्त एवं उत्तराधिकारी
ना चिन्हाउ अविश्वाधनेर ज्ञानामुद्दी घेच एवं अंडाधन वार्षी अंग - विश्वाधन इन-
पुंछियादी भ्रवश्वाधन एक अम्भावित क्षेत्र, सिंधार झार द्वितीय अंडार - 'The Language
of globalisation' प्रवाह लिख्येहुन : विश्वाधन मूलतः पद आमF- आमाछिद्य उष्टु
एउ उष्टुति पुंछियादी घेच विश्वाधनेर अम्भाव विश्वाधन आमाधन शीवन-यागाय
प्रतिक्षिप्त अंडावित अंग गलेहु, आव एउ उष्टु अल्पनिविक वालावर आमाधन
तिनीद्येन आर्वान्य स्पेक्ट लेखेहु, ए थेके एउ विश्वाधन चांग गाडे अंग - मुंदिग्द
आमाधनी विश्वाधनेर विश्वाधनेर दम्भु घेच आमाधिक घटना। विं कार्त्तक अंग-
आमF- आमाछिद्य, राष्ट्रीयनिविक अंग विश्वाधनेर वीर्यनामित नेवन क्षेत्र
द्यु, आव अंडान्तु ज्ञेन्द्रेर झुलो लेके चांग अभावीर आमाधन दम्भु घटना।
बहुतः वर्त्ताव विश्वाधनेर अभावी अविश्वाधनेर वालीति, अल्पनिविक
अम्भाव - अंगमुद्दिप्रवाह अंग लालि विश्वाधनेर अंग अम्भाधित हये उष्टु।

विं कार्त्तके ज्ञेप द्युके अंग अल्पनिविक विश्वाधन उ अल्पनिविक
ज्ञातीय चांग अभावीर झुलो भुलिद्याम दृष्टान्, उपमादानेर उपमादान इत्यावे-
अम्भाधन अंग विश्वाधनेर अंग अल्पनिविक एवं अंग अंग-
आमF- आमाधित विश्वाधनेर वालन - एउ आव अल्पनिविक उपमादान अम्भाधित विश्व
मुक्त वालावर गाडे तोलाव चुपमादान अल्प इत्यावे उपमादान अल्पनिविक विश्वाधनेर
पर थेके आम्भाधन अल्प वालावर राष्ट्रीय अंग अल्पनिविक विश्वाधन एवं अंग
राष्ट्रीयनिविक एवं अभाव उ आमाधित विश्वाधन एवं अभाव, एउ अंग घेच वालाव
आमाधनीप्रवाहेर आम्भाधन अल्पनिविक विश्वाधनेर घेच विश्वाधन अल्प
तोले।

विश्वाधनेर विश्वाधनेर अंग शाति राष्ट्रीय विश्वाधनेर
अल्पनिविक एवं अल्पनिविक, शाति वालते वालावर राष्ट्रीयनिविक उपमादान
ज्ञेन्द्रेर घेच वालावर वालावर अल्पनिविक एवं अल्पनिविक अभावी
राष्ट्रीय इल लेली विश्वाधनेर झीमा-निर्दिष्ट अवर्त्तीम झीमादान अवर्त्तीम अभावी

→ →

(1)

সামিতি ছি-গুড়, বাস্তুপ্রতিষ্ঠা গুরুতি ও জ্ঞানি বৃক্ষে নিষ্ঠ চূমাতন্ত্রে
চৌমাতন্ত্রের আবহাসীল ঘাটে কিংবা বিশ্বাপুর এবং বিশ্বাপুরে global village
এবং আনন্দ চতুর্বেশ রেখে, সেইস্থিতি বিশ্বাপুরে হৃষ্যাপা ধূমতি বৃক্ষে শুনিত
চূমাতন্ত্র দেখে দেখের কথা, এই আবহাসীল কারণে ধূমতি বৃক্ষে শুনিত
বিশ্বাপুর অসম ও ভিস্টা-ভিস্টা বীৰ্যী সৃষ্টি হতে থাএ। অলিম্পিক
নামের আমেরিকান আৰ্দ্ধীন ধূমতি বৃক্ষে শুনি চান্দে উপনিষদিক অৰ্বি-
নথার অভিজ্ঞানের কারণে বিশ্বাপুর ও চান্দে অনুযায়ী অলিম্পিক নিয়া-
গাস্তে ভালো মনে পথে চলে অংগো বৰ্ষ দৃঢ়। এখনো বালি কুব
অনুপ্রবেশের জুতে পশ্চিমী অভিজ্ঞানিত রাজনৈতিক অজ্ঞানতন্ত্রে আলগৈ
বিশ্বাপুরে চলু ও কলঙ্কন্ত বিষেচি থাতে মাঝে চলুও চান্দে বিশ্বাপুর
থেকে মুক্ত ফিল্ডে ঘাসে পাতে নি।

উপনিষদিক শাসন হতে মুক্ত হতীব বিশ্বে সুৰীন ধূমতি
বৃক্ষে শুনিপ্রথম ঘোষে কুই বৰ্ণনে চাপের অমুঘীন ইঁ। এই কুই চাপের অভিজ্ঞান চাপে বহিঃচাপ। উক্ষেত্রে কুই কাল উপনিষদিক শাসনার্থীর শুভ
মাধ্যম মণে পেজৰ দেখ অভিজ্ঞানিক পিচ পেজে বিশ্বে অনুপ্রত দিল। সে
কারণ চান্দে অভিজ্ঞানিক বৃক্ষের সংস্কৃত বিশ্বিক্রিকস্থ গ্রন্থে পৃষ্ঠ-
গুন দিল। অমৃতবন্ধু চান্দে কাহ বিশ্বাপুরে বাহি চাপ অলিম্পিক বৃক্ষের
ধূমাতন্ত্রে লাখে পঞ্চি সুমোজ হিজাবে শান্তি ইঁ।

অব. র্বেণ্যান ও প. মাজাল চান্দে After the nation
State' অক্ষয়প্রতিভেন — উপনিষদিক অবীনতামুক্ত অনুন্ত বেটেন্স/
উক্ষেত্রের কীল দেখ-শুনিএ কামারিক প্রয়োগে বীৰ্য প্রীতি পৰিবৰ্তনে
মুক্তি দিয়ে বিশ্বাপুরে উৎখানকৃ পাম মাধ্য, এই পেজে বৰ্বৰ কুপ্ত-
লিঘচেন— বিশ্বাপুরে কুই বিশ্বে দিয়ে ইল উক্ষেত্রে বিশ্বাপুর ও অৱৰ্য়
বিশ্বাপুর, চান্দে অমাহার্দে এডে এট অভিজ্ঞানিক বিশ্বাপুর চান্দে ধূমতি-
গুম্ভীয়— আত্মকুঁ মাঝে অন্তর্ভু রাখ দৰজা, একাবুল ধূমতি বৃক্ষে শুনি
চান্দে ধূমতি অলিম্পিক কিংবা চামুলিমীতি অপুঁ অমৃতবন্ধু দেখ
কুঁ এবং কুলত বৰ্তি ইঁ। খল ধূমতি অলিম্পিক, বিশ্বের কেন্দ্ৰ
কান্দে অভিজ্ঞান ইঁ মড়াঁ পেজন্ম ইঁ। এই বিষয়ে পিচ্চা কুঁ
অ. পি ক্লাবে কুলত চাঁৰ— A global Society' প্রণয় লিঘচেন—
বিশ্বাপুর অনুরিক ধূমতি কুপ্তলিঘচে আত্মকুঁ চান্দে বহিঃবিশ্বে
জান্মে নেলত বৰ্তি ইঁ। জোপুৰ বিশ্বাপুর কুপ্তল উমাহীন বিশ্বগুচ্ছে উচ্চে
চান্দে। বিশ্বাপুরে খল ধূমতি বৃক্ষে অৱসান হৈব।

অমৃতবিজ্ঞানীরঁ ও চামুলিমীতি অভিজ্ঞানে কিশা-
র্যান্দে কুলত ধূমতি বিশ্বে প্রতিভাবে পিয়ামীল অগত হৈছেন। অ-
প্রতিভাবনি ইল—

১) বৰ্তমান পুঁচীতি বিশ্বে বৰ্ত ধূমতি অংশু বিশ্বাপুরে চাঁ-
ক্ষেত্রিক পিচ্চি কুপ্তলে কুনৰিয়ে ইঁ উচ্চে; ইঁ চান্দে ধূমতি—
→ 1 →

(3)

ଭେଦିତ ମୋହ ଯିହି ଶର୍ଷ ମହା ପୁଣିକିଟ କ୍ଷେତ୍ରରେ ଓ ବନ୍ଧୁରେ
ବିଶ୍ୱାସ ଅନୁଷ୍ଠାନ ଏଥିରେ ଉଲ୍ଲଙ୍ଘନ କରି ଦେଇ ଦେଇ
ଦେଇ ଏହି ଏକି ଗୋଟିଏ କ୍ଷେତ୍ର ବେଳେ କ୍ଷେତ୍ରରେ ବେଳେ ଏବଂ ବୁଝି
ଦେଇ ଦେଇ ବୁଝି କିମ୍ବା ବୁଝି ବୁଝି ବୁଝି

② ବିଶ୍ୱାସ ଅନୁଷ୍ଠାନ ଓ କ୍ଷେତ୍ରର ଜୀବିତ ଅଭିଭାବିନ ଲାଭି
ନିକରନ୍ତ ବିଚାରିତ ଏବଂ କରି ଦେଇ ଏହି କରି ଏହାର ଅନୁଷ୍ଠାନ
ବାଧ୍ୟିତ ଓ ଆନ୍ତରିକ ଏବଂ ଆମାଦିତ ଓ ଆମାଦିତିର କ୍ଷେତ୍ର
ଶୁଣି କିମ୍ବା ବୁଝି କିମ୍ବା ବୁଝି ୨୧୮ ଏହି

୩- ବିଶ୍ୱାସ ମୂଲ୍ୟ ପୁଣିକିଟ ଏବଂ ବିନ୍ଦୁର ଆନ୍ତରିକ ବୁଝି-
ମଧ୍ୟ ଶ୍ରେଣୀ କ୍ଷେତ୍ର ଏବଂ କମା- ପ୍ରାଣିନ କରି କରି

୪- ବିଶ୍ୱାସ ବାଜିର କିମ୍ବା ବୁଝି କରି କରି କରି କରି
ଏହି ଧ୍ୟାନିକ ଆମାଦାର କିମ୍ବା ଆମାଦାର କିମ୍ବା ଆମାଦାର
କିମ୍ବା ଆମାଦାର କିମ୍ବା ଆମାଦାର କିମ୍ବା ଆମାଦାର କିମ୍ବା
ଆମାଦାର କିମ୍ବା ଆମାଦାର କିମ୍ବା ଆମାଦାର କିମ୍ବା ଆମାଦାର
ଏହି କିମ୍ବା ଆମାଦାର

ବୁଝି କରି କରି କରି କରି — ଆନ୍ତରିକ
ଆମର କାମି କାମି କାମି କାମି କାମି କାମି କାମି କାମି କାମି
ବୀରମା ଆମର ଆମର ମାତ୍ର କ୍ଷେତ୍ରର ଓ ଆମର ପରିପରା ରୂପ ଆମର ନିଃନୀତ
ପ୍ରମାଣ ଏମ- ପି ମୁଲିଲାର - 'power in international politics' ଲିଖିଛୁ
ଏ ଆନ୍ତରିକ କ୍ଷେତ୍ର ବିଜିନ୍ ଟା-ବୀରିକ କ୍ଷେତ୍ରର ଫଳ ଜାତି-ବୀରି
ଦ୍ୱାରା ବୁଝାଇଲେ ଆମ ପେଇଛୁ

୨- ଆନ୍ତରିକ ଆମାଦାର ପ୍ରକାର ପରିବିଚନ ହାତ ମାନେ ଫଳ ବର୍ତ୍ତମାନ ଦ୍ୱାରିବିତ
ଅଭିଯୋଗିତାର କୁଳେ ଆମାଦାର ଆନ୍ତରିକର କ୍ଷେତ୍ର ଏବଂ ଆମାଦାର କ୍ଷେତ୍ର
ମେହେ ଏହି
ଏହି ଏହି ଏହି ଏହି ଏହି ଏହି ଏହି ଏହି ଏହି ଏହି ଏହି ଏହି ଏହି ଏହି
ଏହି ଏହି ଏହି ଏହି ଏହି ଏହି ଏହି ଏହି ଏହି ଏହି ଏହି ଏହି ଏହି

୩- ବିଶ୍ୱାସ କୁଳେ ଆମାଦାର ଆମ ପେଇ ମାନେ କାମି କାମି

ବୀରି-ଆମାଦାର ଦ୍ୱାରା ଉକ୍ତର ଏହି ଏହି ଏହି

ବର୍ତ୍ତମାନ ପୁଣିକିଟ କାମି କାମି କାମି କାମି କାମି କାମି କାମି
- ମିଳି କରି ବିଶ୍ୱାସ କାମି କାମି କାମି କାମି କାମି କାମି କାମି

→ →

(3)

ଦୟାମ୍ ସନ୍ମା ମାଧ୍ୟ-ଡେଲଟ ଫ୍ରେଶ୍‌ମି ବିଷ୍ଣାପିତ ଅଳ୍ପବନ୍ଧୁର କୂଳ ନିଷ୍ଠା ଥିଯୁ ଉଠିଛି।

ग्लोबल इन्डस्ट्रीज़, Globalisation and International —

ମଧ୍ୟାହ୍ନ ଏଇଲି ଶୁଣାଏ ବିଷ୍ଣୁରୁଦ୍ଧ ଓ କୋର୍ତ୍ତଦ୍ୱାତିରୁ ବ୍ୟେ-
ଗ୍ରାମରୁ ଯାଏ ଏହି ପ୍ରେସର ଶୀଳ କୁଝ ରୁଦ୍ଧିତ କ୍ଷେତ୍ରରୁ ଏହି ପ୍ରତିକିଳିଙ୍ଗ
ଦ୍ୱାରା ମିଳିଥିଲା ଏହି ପ୍ରେସର ଶୀଳ ଧୂତି ରୁଦ୍ଧିରୁଲି ନିଷ୍ଠାରୁ ବ୍ୟେନାତିରୁ
ଦ୍ୱାରା ମିଳିଥିଲା ଏହି ପ୍ରେସର ଶୀଳ ଧୂତି ରୁଦ୍ଧିରୁଲି ନିଷ୍ଠାରୁ ବ୍ୟେନାତିରୁ
ଦ୍ୱାରା ମିଳିଥିଲା ଏହି ପ୍ରେସର ଶୀଳ ଧୂତି ରୁଦ୍ଧିରୁଲି ନିଷ୍ଠାରୁ ବ୍ୟେନାତିରୁ
ଦ୍ୱାରା ମିଳିଥିଲା ଏହି ପ୍ରେସର ଶୀଳ ଧୂତି ରୁଦ୍ଧିରୁଲି ନିଷ୍ଠାରୁ ବ୍ୟେନାତିରୁ—
ଦ୍ୱାରା ମିଳିଥିଲା ଏହି ପ୍ରେସର ଶୀଳ ଧୂତି ରୁଦ୍ଧିରୁଲି ନିଷ୍ଠାରୁ—

"Globalisation is really a motivating force for nations to develop themselves at a faster pace and it really creates a more gainful environment in the world scenario for its economic."

ତେ ଏ ପ୍ରସରେ କେଉ ବିଷୟରେ ଅନନ୍ତମର୍ଗରେ ଉଚ୍ଚ ବୃଦ୍ଧି ବ୍ୟାପ୍କରୁଣିତ
ଓ ଅବିକ୍ଷିଷ୍ଟ ଯତ୍ନରୁ ବୁଝୁ ଜୀବିତରେ ଅନ୍ତରୁ ଶବ୍ଦରୁଣିତେ ଦ୍ୱାରିତ ଓ କ୍ଷେତ୍ରର ଶୀଳ
ଧ୍ୟାନ-ରୂପୀ ଶବ୍ଦରେ ତଥା-କ୍ଷାର୍ଥରେ କୋ କ୍ଷେତ୍ରେ ନିଶ୍ଚର୍ଦ୍ଦର୍ମ-କ୍ଷୁଣ୍ଠର୍ମ-
ନୀତି ଚାଲନା କରିବା ହେ ॥

The End

Lokeswar Manna

(Dept. of History)